सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 27 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 90, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड गोल्डी समूह के निदेशक सुदीप गोयनका समानित... » Pg02

मुख्यमंत्री योगी ने 283 चिकित्सा अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

» Pg12

रामजीलाल सुमन के समर्थन में उतरा पक्ष-विपक्ष

सपा सांसद के घर पर हुए हंगामे से सपा में आक्रोश

लखनऊः छात्र सभा ने किया विरोध प्रदर्शन, जमकर की नारेबाजी, विरोध में पल्लवी पटेल ने भी किया प्रदर्शन

राणा सांगा विवाद

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। आगरा में समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन के आवास पर गुरूवार को हुए बवाल का असर आज राजधानी लखनऊ में देखने को मिला। आज गुरुवार को सपा कार्यकर्ताओं ने लखनऊ के अटल चौक पर प्रदर्शन किया। आगरा में सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर के सामने प्रदर्शन को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। सुबह छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष की अगुवाई में कार्यकर्ता एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दलितों का अपमान करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन देख मौके पर पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इसके बाद धरना प्रदर्शन के लिए ईको गार्डन भेज दिया।

सपा सदस्यों को काबू में करने के लिए पुलिस को बीच बचाव करने के लिए आगे आना पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने संगठन के छात्रों को हिरासत में लेकर ईको गर्डन रवाना किया गया। बता दें कि महाराणा सांगा को लेकर सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने राज्यसभा में विवादित बयान दिया था। जिसका देश और प्रदेश में विरोध किया जा रहा है। इसी कड़ी में करणी सेना के सदस्यों ने बुधवार को उनके घर के सामने पहुंचकर हंगामा करते हुए पथराव किया था। जिसका आज लखनऊ में समाजवादी छात्र सभा के सदस्यों ने विरोध किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा विनीत कुशवाहा, ईकाई अध्यक्ष प्रिंस कुमार, शिवा जी यादव, अनमोल राय, विक्रम यादव, प्रेम यादव, कांची यादव आदि मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं संग पुलिस हिरासत में कमेरावादी नेता

समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के आवास पर बुधवार को हुए तोड़फोड़ की घटना को लेकर लखनऊ में विरोध प्रदर्शन कर रहीं सिराथू विधानसभा सीट से सपा की विधायक और अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यह जानकारी पल्लवी पटेल ने खुद सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी है। पल्लवी पटेल ने एक्स पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- दलित सांसद के घर पर हमले वह हिंसा के खिलाफ राजधानी लखनऊ की सड़कों पर आंदोलन। सैकड़ों साथियों के साथ हिरासत में लिया गया। संघर्ष जारी रहेगा।

सपा सांसद रामजी लाल सुमन के समर्थन में पलवी पटेल और अपना दल कमेरावादी के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ के परिवर्तन चौक से लोकर हजरतगंज चौराहे तक प्रदर्शन करने की कोशिश की। इस दौरान परिवर्तन चौक पर पुलिस ने बैरिकेटिंग लगाकर सभी प्रदर्शन कारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन के लिए बस भेज दिया।

वॉकआउटः सभापति ने नहीं दी चर्चा की अनुमति

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर हमले के मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं देने के सभापति जगदीप धनखड़ के फैसले पर विरोध जताते हुए बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया। समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य आज के लिए सूचीबद्ध कामकाज को निलंबित करने और इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग कर रहे थे।

शून्यकाल के दौरान, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत विभिन्न मुद्दों पर, नियत कामकाज स्थगित कर चर्चा करने के लिए सात नोटिस मिले हैं। नियम 267 राज्यसभा सदस्य को सभापति की मंजूरी से सदन के पूर्व-निर्धारित एजेंडे को निलंबित करने की विशेष शक्ति देता है। अगर किसी मुद्दे को नियम 267 के तहत स्वीकार किया जाता है तो यह दर्शाता है कि यह आज का सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दा है।

उच्च सदन में समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों जावेद अली खान और

सदन में उठी आवाज

रामजी लाल सुमन ने कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा आगरा में एक पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा के एक मौजूदा सदस्य के आवास पर कथित हमले के प्रयास के मुद्दे पर, नियत कामकाज स्थगित कर सदन में चर्चा की मांग करते हुए नोटिस दिया था। सभापति ने सभी सात नोटिस को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह शून्यकाल में सदस्यों को अपनी बात रखने का मौका देंगे।

सभापति की इस व्यवस्था पर असंतोष जाहिर करते हुए सपा सदस्य आसन के समक्ष आ गए और अपनी मांग को लेकर हंगामा करने लगे। दूसरी ओर भाजपा सदस्यों ने राणा सांगा जिंदाबाद के नारे लगाए। इसी बीच, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ बोलना चाहा लेकिन सभापति ने उन्हें अनुमति नहीं दी। तब सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, राजद और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्य विरोध जताते हुए सदन से बाहर चले गए। बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य सदन में बैठे रहे।

सपा के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर बुधवार को कथित तौर पर करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हमला किया था। राणा सांगा पर रामजी लाल सुमन की कथित टिप्पणी से विवाद पैदा होने के कुछ दिन बाद यह हमला हुआ। हाल में राज्यसभा सदस्य का एक कथित वीडियो आया, जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि राणा सांगा ''देशद्रोही'' थे, जो इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को लाए थे। राणा सांगा या संग्राम सिंह प्रथम 1508 से 1528 तक मेवाड़ के शासक थे।

अखिलेश ने पोस्ट करके साधा निशाना

इससे पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि आगरा में मुख्यमंत्री के उपस्थित रहते हुए पीडीए के एक सांसद के घर पर कुछ लोगों द्वारा तोड़फोड़ की हिंसक वारदात की गई। जब सीएम के मौजूद रहते इसे रोका नहीं जा सका तो फिर जीरो टॉलरेंस तो जीरो होना ही है।

सपा मुखिया ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए लिखा कि क्या मुख्यमंत्री का प्रभाव क्षेत्र दिन पर दिन घट रहा है? या फिर आउटगोइंग सीएम की अब कोई सुन नहीं रहा है। अगर वो अभी भी मुख्यमंत्री हैं तो तुंरत कार्रवाई करें। एआई से दोषियों की पहचान करवाकर दंडित करें, नहीं तो मान लिया जाएगा कि पीडीए सांसद के खिलाफ जो हुआ उनकी अनुमति से हुआ।

गोल्डी समूह के निदेशक सुदीप गोयनका सम्मानित

कानपुर में यातायात प्रबंधन को गोल्डी समूह द्वारा किया गया है सहयोग

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर महानगर में कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के 4 साल पूरे होने पर यूपी पुलिस की ओर से ग्रीन पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया। दौरान सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन में पुलिस का सहयोग करने वालों को पुलिस अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। इसी में गोल्डी सब्जी मसाले के निदेशक कानपुर निवासी सुदीप गोयनका को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनको राज्यमंत्री असीम अरूण और डीजीपी प्रशांत कुमार के द्वारा कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्रीन पार्क के गेट नंबर 2 से रन फार सेफटी भी आयोजित किया गया। इसमें 3 किमी की रैली निकाली गई।

नियमों का उल्लंघन कर ट्रेनों के अंदर खाद्य सामग्री बेच रहे वेंडर

» वेंडर यह काम आरपीएफ की नजरों के सामने ही करते रहते हैं, जिन्हें ऐसा करने से नहीं रोका जा रहा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रेलवे स्टेशन पर इस समय रेलवे अधिकारियों के संरक्षण मे वेंडरों की मनमानी चल रही है जो अब प्लेटफॉर्म पर खाद्य सामग्री बेचने की परमिशन मिलने का फायदा उठाकर ट्रेनों के अंदर जाकर सामान बेच रहे हैं। इतना ही नहीं वेंडर यह काम आरपीएफ की नजरों के सामने ही करते रहते हैं, जिन्हें ऐसा करने से नहीं रोका जाता है। बुधवार को दोहपर करीब साढ़े बारह बजे प्लेटफॉर्म दो पर गाड़ी नंबर 11124 ग्वालियर -बरौनी एक्सप्रेस आई गाड़ी रुकने से पहले ही प्लेटफॉर्म एक पर ही पन्नियों में सामान बेचने के लिए खड़े हो गए वेंडरों ने ट्रेन के रुकते ही देर नहीं की और पटरी उतरकर खड़े हो गए गाड़ी रुकते ही अंदर जाकर सामान बेचने लगे।

बताते चलें कि कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर वेंडरों का अवैध तरीके से धंधा चल रहा है, जिसमें वे पटरियों को पार कर ट्रेनों में खाद्य सामग्री बेचते हैं। यह धंधा रेलवे प्रशासन की अनदेखी और आरपीएफ की सुस्ती के कारण फल-फूल रहा है। वेंडर प्लेटफार्मों के बीच पटरियों पर कूदकर चढ़ते हैं और ट्रेनों में अवैध रूप से खाद्य सामग्री बेचते हैं। यह न केवल रेलवे के नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरनाक है। आरपीएफ और खानपान विभाग की मिलीभगत के बिना यह धंधा संभव नहीं है। स्टेशन पर तैनात सुरक्षाकर्मी भी इन वेंडरों को रोकने में विफल हैं। सवाल यह है कि क्या इन वेंडरों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या आरपीएफ और खानपान विभाग की मिलीभगत के बिना ये संभव है? इस लापरवाही से यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है और रेलवे को भी भारी नुकसान हो रहा है। रेलवे प्रशासन, आरपीएफ और खानपान विभाग को इस अवैध धंधे पर रोक लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। इसके अलावा, रेलवे प्रशासन को स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कदम उठाने चाहिए। स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे लगाने पर भी ऐसे वेंडरों को देखा जा सकता है। सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ाने और यात्रियों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने से इस समस्या का समाधान हो सकता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए रेलवे प्रशासन, आरपीएफ और खानपान विभाग को मिलकर काम करना होगा। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए यह आवश्यक है कि इस अवैध तरीके के धंधे पर रोक लगाई जाए और स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए। रेलवे स्टेशन पर खाने पीने का खुला सामान बेचना और वह भी अवैध तरीके से यह नियमों का खुला उल्लंघन है। सीनियर डीआरएम और आरपीएफ की जिम्मेदारी है, लेकिन दोनों ही विभाग इस काम में विफल साबित हो रहे हैं। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने का काम किया जा रहा है। इसके लिए तैयारियां भी चल रही हैं। लेकिन वर्तमान स्टेशन पर जो खामियां हैं रेलवे स्टेशन पर अवैध तरीके से वेंडर लगातार अपनी दुकान चला रहे हैं, और उन पर कोई रोक-टोक भी दिखाई नहीं देती। हर प्लेटफार्म पर ट्रेन के आते ही हर कोच के सामने और पटरी पर उतर कर खाने-पीने के सामान लेकर खड़ा हो जाता है। अधिकतर वेंडर खाने-पीने का खुला सामान बेचने लगते हैं।

जीरो टॉलरेंस के नाम पर 'जीरो' शिवली थाना

» वर्चस्व की जंग में युवक को मार मार कर किया मरणासन

» तमाम साक्ष्य होने के बाद भी स्थलीय पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

शिवांक अग्निहोत्री/, स्वराज इंडिया

कानपुर । आज की खबर में जिक्र हो रहा है कानपुर देहात के शिवली थाने का जिस थाने के एक कमरे के अंदर सन् 2001 में एक राज्यमंत्री संतोष शुक्ला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जी हां यह वही शिवली थाना है जिससे चंद किलोमीटर की दूरी पर एक आपराधिक तत्व इतना ज्यादा फल-फूल चुका था कि उसने स्वयं के घर पर दबिश देने पहुंचे पुलिस बल के ऊपर भी गोलियों की बौछार करके सीओ समेत आठ पुलिस कर्मियों की हत्या कर दी थी। इन दोनों अपराधों को अंजाम देने वाला व्यक्ति विकास दुबे था जिसे आज भारत क्या विदेशों में भी लोग जानते हैं और उसकी अपराधिक क्षेत्र की सीमा में आता था शिवली थाना जिस थाने में उसके खिलाफ गंभीर मुकदमे दर्ज तो किए गए पर उस आपराधिक तत्व के ऊपर पुलिस के द्वारा कोई अंकुश नहीं लगाया गया जिसके फल स्वरुप आठ पुलिसकर्मियों को अपनी जान की आहुति देनी पड़ गई।

अपराध के लिए उपयोग की गई मारुति वैन की फोटो

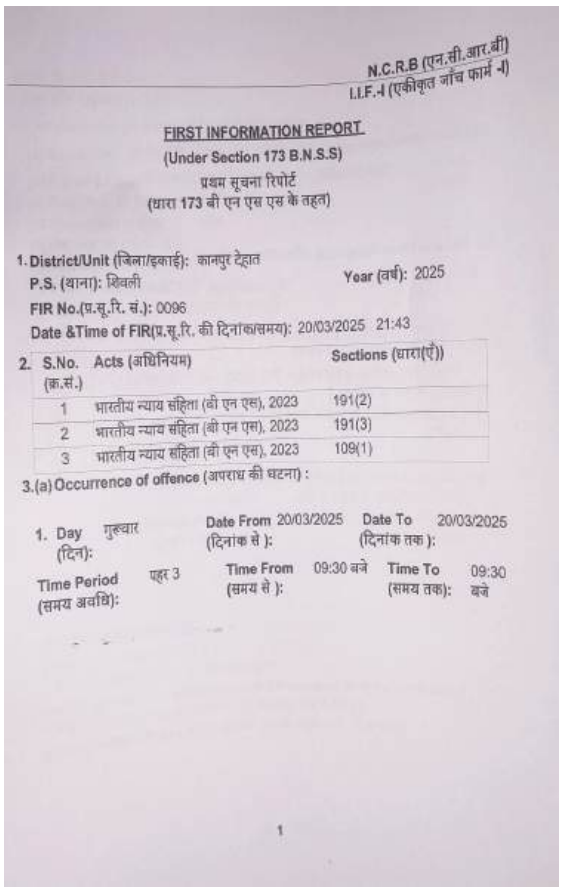
N.C.R.B (एन.सी.आर.बी)
I.I.F.-I (एकीकृत जाँच फार्म -I)

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 173 B.N.S.S)
प्रथम सूचना रिपोर्ट
(धारा 173 बी एन एस एस के तहत)

1. District/Unit (जिला/इकाई): कानपुर देहात
P.S. (थाना): शिवली Year (वर्ष): 2025
FIR No.(प्र.सू.रि. सं.): 0096
Date &Time of FIR(प्र.सू.रि. की दिनांक/समय): 20/03/2025 21:43

2.

S.No. (क्र.सं.)	Acts (अधिनियम)	Sections (धारा(एँ))
1	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	191(2)
2	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	191(3)
3	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	109(1)

3.(a) Occurrence of offence (अपराध की घटना) :

1. Day (दिन): गुरुवार Date From (दिनांक से): 20/03/2025 Date To (दिनांक तक): 20/03/2025
Time Period (समय अवधि): पहर 3 Time From (समय से): 09:30 बजे Time To (समय तक): 09:30 बजे

1

घायल युवक की फोटो

दिनदहाड़े युवक को पीट पीट कर पहुंचाया गया मौत के करीब

कानपुर देहात का वही शिवली थाना फिर एकबार ऐसे अपराधिक तत्वों पर कार्यवाही करने में लापरवाह रवैया दिखा रहा है जिन्होंने एक सप्ताह पहले दिनदहाड़े एक युवक को अगवा करके पीट पीट कर मृत समझकर मरणासन्न अवस्था में फेंक दिया परंतु वह युवक जीवित पाया गया और उसके पिता के द्वारा अपराधिक तत्वों पर शिवली थाने में नामजद मुकदमा भी लिखवाया गया जिसमें ऐसी धाराएं हैं जिनके आधार पर तुरंत आपराधिक तत्वों की गिरफ्तारी करके उन पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए लेकिन एक सप्ताह से शिवली थाना कार्रवाई के नाम पर गहरी नींद में सो रहा है और फिर से अपराधिक तत्वों की एक ऐसी खेप तैयार कर रहा है जो भविष्य में उन पर ही भारी पड़ जाएंगे।

बीते 20 मार्च 2025 को सुबह करीब 9:30 बजे आलोक पाल नाम का युवक जो कि गृहस्ती का सामान लेने शिवली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भाउपुर इलाके में गया था जहां अजीत यादव, आदर्श यादव, कईया यादव, सुनील यादव, बदन यादव, संदीप पाल, दीपक पाल तथा कुछ अज्ञात आपराधिक तत्व क्क77 ङ्क 9971 नंबर की मारुति वैन से पहुंचते हैं और आलोक पाल के साथ बर्बरता पूर्वक मारपीट करने लगते हैं और उसे बल पूर्वक मारुती वैन में भर लेते हैं। इन सभी आपराधिक तत्वों की मंशा आलोक पाल की हत्या करने की थी इस बात का अंदाजा उस वीडियो को देखकर लगाया जा सकता है जिसमें बुरी तरह से घायल अवस्था में आलोक पाल कराहते हुए स्वयं के साथ गुज़री आपबीती सुना रहा है। इस गंभीर घटना पर अभियोग पंजीकृत होने के बाद भी अब तक आपराधिक तत्वों पर किसी भी प्रकार की कोई बड़ी प्रशासनिक कार्यवाही देखने को नहीं मिली है। जबकि यदि आपराधिक तत्वों की मंशा आलोक पाल की हत्या करने की थी और वह अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं तो हम कैसे मान लें की आलोक पाल का जीवन पूरी तरह से सुरक्षित है।

मुकदमे में पुलिस ने नहीं लगाई अपहरण की धारा

पीड़ित पक्ष के द्वारा जो तहरीर दी गई है उसमें साफ तौर पर लिखा है की आपराधिक तत्वों के द्वारा मारुति वैन में सबसे पहले आलोक पाल को जबरन भरा गया उसके अंदर आलोक पाल पर अवैध असलहा सटाया गया जिसके बल पर मारपीट करते हुए अपराधियों ने पीड़ित युवक को बुरी तरह से घायल करके मृत समझकर रनिया क्षेत्र के अलियापुर के पास एक नदी के किनारे फेंक दिया। यह पूरी घटना को योजनाबद्ध तरीके से अपराधियों के द्वारा अंजाम दिया गया है जिसमें एक स्थान से दूसरे स्थान तक युवक को मारपीट करते हुए ले जाया गया है और घायल अवस्था में फेंका गया है इसके लिए एफआईआर कॉपी में तहरीर के आधार पर हत्या करने की मंशा से अपहरण करने की धारा बन रही है जिसका प्रयोग पुलिस के द्वारा नहीं किया गया है।

बिल्हौर के पीएम श्री स्कूल में माँ-बेटी मेला का आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर कस्बे में स्थित पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय उर्दू मीडियम में माँ-बेटी मेला का आयोजन किया गया। इसके साथ ही बच्चों को करियर गाइडेंस के टिप्स दिये गए। मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार ने मां सरस्वती पूजन से कार्यक्रम की शुरुआत की। स्कूल की छात्राओं ने स्वागत गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिनकी सभी ने सरहाना की।

» मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे बीईओ रवि कुमार

» दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

» स्कूल की प्रधानाध्यापिका बोली हमारे स्कूल के बच्चे किसी पब्लिक स्कूल से कम नहीं

कव्वाली पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं

सांसों की सरगम गए सुस्वागतम, अपनी बेटियों को खूब पढ़ाई हो रे, बेटी हमारी अनमोल है आदि पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।और आखिर में माता-पिता के सम्मान में बच्चों ने अपने मां बाप का तू दिल न दुखा की कव्वाली पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मंच का संचालक शिक्षक अरशद खान ने किया। कार्यक्रम के समापन से पहले स्कूल की हेड मास्टर कल्पना सचान ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि हमारे स्कूल के बच्चे किसी पब्लिक स्कूल से कम नहीं। बच्चों के अभिवावक भी अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजते हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हमारे स्कूल के टीचर सुबह से ही व्यवस्था में लगे रहे तब जाकर हम अच्छा कार्यक्रम कर पाए।

मंच का संचालन कर रहे शिक्षक अरशद खान ने कहा कि यह कार्यक्रम अब हर साल होगा। और बच्चों को वह अपने निजी ख़र्चे से सम्मानित भी करेंगे। पूर्व सभासद समा परवीन ने कहा की स्कूल की टीचर बच्चों को पढ़ने में बहुत मेहनत करते हैं।जितनी तारीफ़ की जाए कम है। इस सहायक अध्यापक इरफान अहमद, यासमीन सिद्दीकी, शालिनी सिंह, सोहेल अहमद, शिक्षामित्र शबीना बेगम समेत बच्चों के अभिभावक मौजूद रहे।

पुलिस सभागार में महिला सशक्तिकरण व सुरक्षा पर गोष्ठी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रदेश सरकार के आठ और कानपुर कमिश्नरेट के चार वर्ष पूरे होने पर पुलिस सभागार में महिला सशक्तिकरण व सुरक्षा पर विशेष गोष्ठी का आयोजन किया। इसमें महिला सुरक्षा और अधिकारों पर चर्चा की गई।

अपर पुलिस उपायुक्त महिला अपराध अमिता सिंह की अध्यक्षता में गोष्ठी में चर्चा की गई कि महिलाओं को अपने बच्चों को संस्कारी और आत्मनिर्भर बनाने के प्रेरित करना चाहिए। आर्थिक व सामाजिक रूप से शिक्षित व सशक्त बनाना आवश्यक है। माता-पिता को बेटा-बेटी में कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए और दोनों को समान शिक्षा देने की दिशा में कार्य करना चाहिए। सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए अभिभावकों को सतर्क रहना चाहिए।

अभिभावकों को अपने बच्चों को अश्लील रील बनाने से रोकना चाहिए।

माता-पिता को अपने बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करना चाहिए ताकि वे बिना हिचकिचाहट अपने विचार साझा कर सकें। राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी समेत महिला सभासद, महिला ग्राम प्रधान, महिला डॉक्टर, महिला प्रधानाचार्य, महिला वकील, महिला सोशल वर्कर, महिला काउंसलर, घरेलू महिलाएं व महिला पुलिस अधिकारी उपस्थित रहीं।

सम्पादकीय

हेडफोन-गेमिंग से सुनने की क्षमता बाधित

यह आशंका अकसर जतायी जाती रही है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। अब हाल में हुए अध्ययन ने इसकी पुष्टि की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को चेताया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे।

यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं।

पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है।दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप की नसीहत पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। प्रयास किया जाए कि न टाले जा सकने वाले कार्यक्रमों को कम आवाज के साथ सुना जाए। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में आए बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील देकर बच्चे भी मोबाइल-लेपटॉप आदि से चिपके रहने का बहाना ढूंढ ही लेते हैं।

तेज आवाज का संगीत व कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

संभव है ट्रम्प-पुतिन-मोदी शिखर सम्मेलन

ज्योति मल्होत्रा

राष्ट्रपति ट्रम्प और ज़ेलेंस्की मीटिंग में उभरी तल्खी के बाद दुनिया के सभी देश अमेरिका से पटरी बैठाने को तैयार हैं। हालांकि चीन तनकर खड़ा है। ट्रंप भी जानते हैं कि असल मुकाबला पुतिन से नहीं बल्कि जिनपिंग से है। वहीं मोदी-ट्रंप बैठक के बाद भारत के लिए ये समीकरण अनुकूल हैं। चीन-पाक धुरी तोड़ने को पाकिस्तान से संबंध बहाली भी सही नीति होगी। एक सप्ताह पहले डोनाल्ड ट्रम्प और वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के बीच हुई तीखी नोक-झोंक अब इतिहास बन चुकी है। ओवल ऑफ़िस की उस सुबह दुनिया बदल गई और विश्व ने ताकत का अपरिष्कृत उपयोग होते देखा। अगर यूरोप - और यूक्रेनियन भी- शक्ति के ऐसे प्रयोग में शालीनता और शिष्टाचार की कमी को लेकर भड़क रहे हैं, तो शायद वे सही हैं। लेकिन इतना तो वे भी जानते हैं - यदि आप कुछ अंडे नहीं तोड़ सकते, तो ऑमलेट बनाना सरल नहीं।

हैरानी जिस बात की है वह यह कि यूरोपीय और ब्रिटेन को झटका इस कदर लगा है। ब्रिटिश और फ्रांसीसी, जोकि सुरक्षा परिषद के वीटो पॉवर संपन्न स्थाई सदस्य हैं - इनके अलावा यूरोप महाद्वीप के वे तमाम अन्य देश जो विश्व मंच पर खुद को स्थापित करने की बेतहाशा कोशिश में हैं - अमेरिकी डॉलर की पीठ पर सवार होने के कारण, अमेरिकियों के सामने नतमस्तक रहे, कम से कम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से। उन्हें तो सिर्फ उनका पैसा चाहिए। सुएज़ के पार, गर्मियों में पेरिस के बेकरी वाले सबसे महंगे बगेट (ब्रेड) बनाकर रखते हैं - जब फ्रांस की राजधानी पेरिस आने वाले अमेरिकी पर्यटकों की भारी भीड़ के कारण हर चीज़ खत्म हो जाती है, ठीक वैसे ही, जब उन सभी को हेमिंग्वे की किताब 'ए मूवेबल फीस्ट' के एक या अन्य संस्करण की तलाश भी रहती है।ट्रम्प एंड कंपनी - जेडी वेंस, एलन मस्क और अन्य की एक बात है कि उनके पास वह करने के वास्ते कोई वक्त नहीं है, जिसे जाने-माने पत्रकार शेखर गुप्ता 'तानपुरा-सेटिंग' कहते हैं। इसका मतलब है कि यूरोप, जिसे औपचारिक संवाद और व्यवहार में तमाम तरह का तामझाम और अलंकार बहुत पसंद है, जिसको 'इग्लाइट' और 'लिबर्टे' और यहां तक कि 'फ्रैटरनाइट' जैसे कलिष्ट शब्दों में पिरोया जाता है - हालांकि, यहां आपको उत्तरी अफ्रीका में फ्रांस के कुछ दशक पहले के इतिहास पर नज़र डालनी चाहिए, खासकर अल्जीरिया में, जहां के श्वेत फ्रांसीसी भी 'पाइड नोयर' या 'ब्लैक फीट' पुकारे जाते थे, क्योंकि वे मुख्यभूमि के फ्रांसीसियों जितने गोरे नहीं थे - यह सब आत्मा को इतना झकझोरने और उद्वेलित करने वाला है, क्योंकि वे जानते हैं कि आखिरकार उनके रखे अनाप-शाप दाम अटलांटिक पार से आए अमेरिकी ही चुका सकते हैं।खैर, ट्रम्प और वेंस ने अभी-अभी घोषणा की है कि इस सारी 'तानपुरा-सेटिंग' का समय समाप्त हो चुका है। या फिर आप अपना 'तानपुरा सेट करना' जारी रख सकते हैं, लेकिन हमारे समय या हमारे पैसे की एवज पर नहीं। शायद इसीलिए उन्होंने अपना अपराध बोध कम करने को अपनी थैली की डोरी ढीली की थी।ट्रम्प ने उस सुबह ओवल ऑफिस में यूरोप के पाखंड को उजागर किया। तीन साल से यूरोप और कनाडा व्लादिमीर पुतिन से लड़ने के लिए ज़ेलेंस्की को उकसाते आए है, सिवाय इसके कि अफ़गानिस्तान के उलट, वहां वे अपने फौजी मरवाने को तैयार नहीं हैं। सिर्फ़ ज़ेलेंस्की ही नहीं, हर कोई ट्रम्प के नेतृत्व वाली 'नई साहसी दुनिया' के लिए तैयारी कर रहा है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं है। हाल-फिलहाल केवल चीनी ही तनकर सामने खड़े हैं। इसके क्या मायने हैं, आप जानते हैं।

आस्था में पुण्य प्रदान करने का सामर्थ्य

अंर्तमन

ललित गर्ग

द्वैत के भीतर हमें समाज में आस्तिकता और नास्तिकता का प्रभाव भी दिखाई देता आया है। हर आस्तिक व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति 'आस्था' होती है, जो व्यक्ति की जीवनी शक्ति बनती है।

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

समाज में एक बड़ी पुरानी कहावत चली आ रही है कि 'जैसा खाए अन्न, वैसा होए मन' और 'जैसा पीए पानी, वैसी होए बानी'। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि हमारा चिंतन हमारे खान-पान के अनुसार ही बनता है। हमें संसार में द्वैत दिखलाई देता है यानी सच के साथ झूठ, दिन के साथ रात, ठण्ड के साथ गर्मी, सफेद के साथ काला और सकारात्मकता के साथ नकारात्मकता सदा रहती ही है। इसी द्वैत के भीतर हमें समाज में आस्तिकता और नास्तिकता का प्रभाव भी दिखाई देता आया है। हर आस्तिक व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति 'आस्था' होती है, जो व्यक्ति की जीवनी शक्ति बनती आई है। 'आस्था' की शक्ति को तुलसीदास के शब्दों में देखा जा सकता है

'एक भरोसो, एक बल, एक आस बिस्वास।

एक राम घनस्याम हित, चातक तुलसीदास।'

इधर प्रयागराज में 'महाकुम्भ' बड़ी धूमधाम के साथ संपन्न हुआ है, जहां 'आस्था का महासागर' हिलोरें ले रहा था और पूरे भारत से जाति, धर्म, वर्ग और ऊंच-नीच के भेद की परवाह किए बिना करोड़ों नर-नारी पतितपावनी मां गंगा में स्नान करने संगम-तट पर पहुंच रहे थे। इन

करोड़ों नर-नारियों की शक्ति वस्तुतः उनकी 'आस्था' ही थी, जिसके बल पर वे रेलों और बसों के साथ ही पैदल चल-चल कर 'संगम तट' पर पहुंचे।आज जाने क्यों, ब्रह्ममुहूर्त में प्रयागराज के संगम तट से एक जोरों की बहस का स्वर सुनकर मुझे लगा कि इस बहस को तो अवश्य सुनना चाहिए। असल में यह बहस 'आस्था' और 'नास्तिकता' के बीच हो रही थी और चिढ़ी हुई नास्तिकता कुछ अधिक ही गुस्से में आस्था से सवाल पर सवाल पूछे जा रही थी। आस्था शांत भाव से उत्तर दे रही थी।नास्तिकता का सवाल सबसे पहले 'संगम तट' की गंगा से यह था कि करोड़ों व्यक्तियों के जो 'पाप' तुम रोज़ धो रही हो, उन्हें ले जाकर रखती कहां हो? महाकुंभ में उमड़े जनसमूह को उनकी असीम श्रद्धा के अनुसार स्नान कराने वाली पतितपावनी 'गंगा' ने शांत भाव से उत्तर दिया, 'नास्तिकता बहन! मैं किसी का भी पाप या पुण्य अपने पास नहीं रखती, बल्कि ले जाकर सब कुछ सागर को अर्पित कर देती हूं।गंगा की यह बात सुनकर नास्तिकता सागर के पास जाकर बड़े अभिमान के स्वर में बोली, 'ऐ सागर! करोड़ों लोगों के पाप और पुण्य गंगा से लेकर तू कहां रखता है? मुझे साफ-साफ बता।' सागर को नास्तिकता की अभिमान भरी भाषा बुरी तो लगी, लेकिन वह धैर्यपूर्वक शांत भाव से बोला कि मैं तो अपने पास कुछ भी नहीं रखता, बल्कि सूर्य भगवान के ताप से सारे पाप-पुण्य को 'भाप' बना-बना कर बादलों को दे देता हूं।अब क्या था, गुस्साई नास्तिकता सागर को छोड़ कर बादलों के पास जा पहुंची और बोली, 'अरे बादलो! अब तुम मुझे बताओ कि सागर गंगा से मिले जन-जन के जो पाप और पुण्य तुम्हें भाप के रूप में सौंप देता है, उनको तुम कहां रखते हो?'बादल गरज कर बोले कि सुन नास्तिकता! हम कुछ भी अपने पास नहीं रखते। हम तो वर्षा के रूप में सारे के सारे पाप और पुण्य भूमि को लौटा देते हैं, इसलिए तुम जानना ही चाहती हो तो भूमि से ही जाकर पूछो। व्यर्थ में हमारे सिर पड़ कर हमें तंग मत करो।

आपको कैसे ठगते हैं साइबर अपराधी...?

जानें सुरक्षित रहने के उपाय...

टेक्नोलॉजी

अनूप अवस्थी

आज के डिजिटल युग में जहां इंटरनेट और स्मार्टफोन ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं साइबर अपराधियों ने भी इसका गलत फायदा उठाना शुरू कर दिया है। इन दिनों केवाईसी फ्रॉड के मामलों में भारी वृद्धि हो रही है। यह एक ऐसा साइबर अपराध है जिसमें धोखेबाज आपके व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को चुराकर आपको ठगते हैं। ऐसे में, केवाईसी फ्रॉड से सतर्क रहना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कि केवाईसी फ्रॉड कैसे होता है और इससे बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

केवाईसी प्रक्रिया बैंकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य कंपनियों द्वारा ग्राहक की पहचान को सत्यापित करने के लिए की जाती है। हालांकि, साइबर अपराधी इस प्रक्रिया का दुरुपयोग कर लोगों से उनकी गोपनीय जानकारी चुरा लेते हैं। वे खुद को किसी बैंक, कंपनी, या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताते हैं और लोगों से उनकी व्यक्तिगत जानकारी मांगते हैं। लोग अक्सर इस धोखाधड़ी के जाल में फंस जाते हैं और अपनी बैंक डिटेल्स, आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नंबर, और अन्य निजी जानकारी साझा कर देते हैं।

अपराधी अलग-अलग तरीकों से केवाईसी करते हैं फ्रॉड

धोखेबाज आपको कॉल करके यह दावा करते हैं कि आपकी केवाईसी जानकारी अपडेट करनी है और इसके लिए आपको कुछ दस्तावेज़ों और बैंक डिटेल्स की जानकारी देनी होगी। कई बार वे किसी ऐप या वेबसाइट का लिंक भी भेजते हैं, जिसे खोलने पर आपका निजी डेटा चोरी हो जाता है।

केवाईसी फ्रॉड के तहत फिशिंग ईमेल और एसएमएस का भी इस्तेमाल किया जाता है। आपको एक संदिग्ध लिंक के साथ मैसेज या ईमेल मिलता है, जिसमें यह कहा जाता है कि अगर आपने अपनी केवाईसी अपडेट नहीं की, तो आपका बैंक खाता या सिम कार्ड ब्लॉक कर दिया जाएगा। इस डर के चलते लोग जल्दबाजी में उस लिंक पर क्लिक कर देते हैं, और उनकी जानकारी चोरी हो जाती है।

ठगी से ऐसे बचें

किसी भी अनजान नंबर से आए कॉल, मैसेज, या ईमेल पर दिए गए लिंक पर कभी भी क्लिक न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी पर्सनल जानकारी साझा न करें, चाहे वह खुद को किसी बैंक का अधिकारी बताता हो या सरकारी एजेंसी से होने का दावा करता हो। अगर कोई कॉल, मैसेज, या ईमेल के जरिए आपसे व्यक्तिगत जानकारी मांगी जा रही है, तो पहले उसे किसी अधिकृत स्थान से वेरिफाई करें। किसी भी ईमेल या मैसेज में दिए गए लिंक पर बिना जांच-पड़ताल के क्लिक न करें। ये लिंक आपकी जानकारी को चोरी करने का जरिया हो सकते हैं।

अनजान नंबर से आए कॉल और मैसेज के जरिए अगर कोई आपको किसी एप या वेबसाइट को खोलने के लिए कहता है, तो उस पर क्लिक न करें। इन एप्स या वेबसाइट्स के जरिए आपका डेटा चोरी हो सकता है। हमेशा सुरक्षित इंटरनेट का इस्तेमाल करें। पब्लिक वाईफाई का उपयोग करने से बचें, क्योंकि साइबर अपराधी इस नेटवर्क के जरिए आपके डिवाइस तक पहुंच सकते हैं और आपकी जानकारी चुरा सकते हैं। अपने डिवाइस में एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल करें और नियमित रूप से अपने पासवर्ड को अपडेट करें।

अगर आप सतर्क रहें और ऊपर दिए गए सुझावों का पालन करें, तो आप इस धोखाधड़ी से बच सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करते वक्त सुरक्षित तरीकों को अपनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि से सतर्क रहें। साइबर अपराधी अक्सर आपकी लापरवाही का फायदा उठाते हैं, इसलिए हमेशा सतर्क और जागरूक रहें।

स्वाद से सेहत तक प्याज रखे ख्याल

सेहत की बात

नीलम सिंह

रसोई में रखी प्याज ग्रेवी का स्वाद बढ़ाने से लेकर बालों की खूबसूरती तक को निखारने के लिए कई बार यूज की जाती है। लेकिन क्या आप जानते है ये लाल रंग की छोटी सी प्याज आपकी खूबसूरती से लेकर रोजमर्रा की कई परेशानियों तक को खत्म कर सकती है। आइए जानते है प्याज से जुड़े ऐसे ही कुछ मजेदार किचन हैक्स, जिनके बारे में जानकर आपको जरूर महसूस होने वाला है किसी ने पहले क्यों नहीं बताया....!

खांसी का इलाज

सर्दी खांसी से राहत पाने के लिए भी आप प्याज का यूज कर सकते हैं। इस उपाय को करने के लिए एक प्याज का टुकड़ा काटकर अपने बिस्तर के पास रखें। ऐसा करने से छाती में जमा बलगम से राहत मिलती है। इसके अलावा गले की खराश को दूर करने के लिए आप कटे हुए प्याज को शहद के साथ मिलाकर उसका सिरप तैयार करे। इस सिरप का सेवन गले की खराश से राहत दे सकता है।

मस्सों से छुटकारा

अगर आप मस्सों से परेशान हैं, तो इनसे छुटकारा पाने के लिए प्याज का नुस्खा अपना सकते हैं। यह नुस्खा सदियों पुराना है। इस नुस्खे को आजमाने के लिए प्याज का एक टुकड़ा लेकर उसे मस्से पर लगाएं। इसके बाद इस प्याज के टुकड़े को रात भर पट्टी की मदद से मस्से पर बांध दें। प्याज में मौजूद सल्फर मस्से के ऊतकों को तोड़कर इनसे निजात दिलाने में मदद कर सकता है। वहीं अक्सर भोजन बनाते समय कई बार खाना बर्तन के तले से लगकर जल जाता है। जिसकी बदबू पूरी किचन में फैल जाती है। ऐसे में प्याज का उपयोग करके आप इस बदबू से निजात पा सकते हैं। इस उपाय को करने के लिए प्याज के कुछ स्लाइस को स्टोव के पास रख दें। ऐसा करने से कुछ ही देर में प्याज जली हुई सारी बदबू को सोख लेगा।

शीशे पर ओस नहीं जमेगी

सर्दियों में अकसर सुबह कार के शीशे पर ओस जम जाती है। जिसकी वजह से गाड़ी चलाने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। ऐसे में अगर आप रात को प्याज की स्लाइस विंडशील्ड पर घिस दें तो सुबह आप देखेंगे की विंडशील्ड पर ओस नहीं जमेगी।

बालों के लिए रामबाण

प्याज में मौजूद सल्फर की मात्रा हेयर ग्रोथ को अच्छा बनाए रखने में मदद कर सकती है। इस उपाय को करने के लिए आप बालों में प्याज का रस या तेल लगा सकते हैं।

त्योहारों पर ज्यादातर लोग घर पर नया पेंट करवाते हैं। लेकिन नए पेंट की स्मेल आपके लिए परेशानी की वजह बन सकती है। इस परेशानी को दूर करने के लिए जिस कमरे में पेंट हुआ है वहां एक प्लेट में तीन चार प्याज को टुकड़ों को काटकर रख दें। कुछ घंटों में ही प्याज पेंट की सारी स्मेल को सोख लेगा।

सिचुएशनशिप से थक गए हैं?

आजकल सिचुएशनशिप हर जगह हैं। ऐसी दुनिया में आप किसी ऐसे व्यक्ति को कैसे पाएंगे जो वास्तव में आपके साथ रहना चाहता हो? डेटिंग विशेषज्ञ तालिया कोरेन ने अपने हालिया पोस्ट में बताया कि सिचुएशनशिप से पूरी तरह बचा जा सकता है। अपनी पोस्ट में उन्होंने लोगों को कई अन्य सलाह भी दीं, जिसमें अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना और अपने साथी से खुलकर बात करना शामिल है।

आजकल सिचुएशनशिप (बिना किसी स्पष्ट प्रतिबद्धता वाला रोमांटिक रिश्ता) हर जगह हैं, लेकिन हर कोई इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। एक गंभीर और लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते की तलाश कर रहे हैं। लेकिन ऐसी दुनिया में जहां ज्यादातर लोग सिर्फ थोडे समय के लिए मौज-मस्ती की तलाश में हैं, आप किसी ऐसे व्यक्ति को कैसे पाएंगे जो वास्तव में आपके साथ रहना चाहता हो? आप ऐसे अस्थायी संबंधों में फंसने से कैसे बच सकते हैं जो कहीं नहीं ले जाते? चिंता न करें, हम इस आधुनिक युग में एक सार्थक संबंध खोजने में आपका मार्गदर्शन करने के लिए यहां हैं।

डेटिंग विशेषज्ञ तालिया कोरेन ने अपने हालिया पोस्ट में बताया कि सिचुएशनशिप से पूरी तरह बचा जा सकता है। अपनी पोस्ट में उन्होंने लोगों को कई अन्य सलाह भी दीं, जिसमें अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना और अपने साथी से खुलकर बात करना शामिल है।

शुरुआत से ही अपनी इच्छा के बारे में बात करें

विशेषज्ञ ने लोगों को पहली डेट पर खुलकर बात करने की सलाह दी। उन्होंने लिखा, पहली डेट पर डेटिंग में अपनी इच्छा के बारे में बात करें। अगर वे कहते हैं कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें क्या चाहिए, और आपको पता है, तो यह इस बात का संकेत है कि आप उस व्यक्ति के साथ ऐसी स्थिति में हो सकते हैं क्योंकि आपकी इच्छाएं मेल नहीं खाती हैं।

निरंतरता पर ध्यान दें- तालिया ने लिखा, उनके टेक्स्टिंग की निरंतरता, आप एक-दूसरे से कितनी बार मिलते हैं और उनका स्नेह इस बात पर ध्यान दें। उन्होंने समझाया कि जो लड़का रिश्ते के लिए तैयार है, वह आपमें दिलचस्पी रखता है और आपमें दिलचस्पी रखता है, वह आपके साथ लगातार रहेगा (जब तक आप भी ऐसा ही करते हैं)। अगर आपको मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं, तो कुछ गड़बड़ है और आप किसी सिचुएशनशिप में फंस सकते हैं।

अपने लिए सीमाएं तय करें

तालिया ने लोगों को सीमाएं तय करने की सलाह दी और कहा कि अगर आप रिश्ता चाहते हैं, तो आप एक सीमा तय कर सकते हैं कि आप किसी के साथ तभी सोएंगे जब वे सक्रिय रूप से आपके साथ डेटिंग कर रहे हों। विशेषज्ञ ने कहा कि सीमाएं तय करना और उन्हें बनाए रखना आपको किसी सिचुएशनशिप में पड़ने से बचाएगा।

अगर आप एक ही पृष्ठ पर नहीं हैं तो दूर चले जाएं

तालिया ने लिखा, अगर आप एक रिश्ता चाहते हैं और आप जानते हैं कि वे नहीं चाहते हैं या वे मिश्रित संकेत भेज रहे हैं, तो इसे समाप्त करें और दूर चले जाएं। इसे एक साफ ब्रेक बना दें। उन्हें अपने डीएम में वापस न आने दें, उन्हें टेक्स्ट न करें और सिर्फ दोस्त न बनें। अंत में, तालिया ने सलाह दी कि जो लोग गंभीर संबंध की तलाश में हैं, उनकी जरूरतें सिचुएशनशिप से पूरी नहीं हो सकतीं, इसलिए बेहतर है कि टुकड़ों-टुकड़ों से समझौता न किया जाए।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में 2 दिवसीय हड़ताल शुरू

अधिवक्ताओं ने डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंप कर हत्यारोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग रखी

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कल्याणपुर में अधिवक्ता की हत्या के विरोध में आज से वकीलों की दो दिवसीय हड़ताल शुरू हो गई। कानपुर बार व लॉयर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में अधिवक्ताओं ने डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंप कर हत्यारोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई व मृतक के परिजनों को एक करोड़ मुआवजे की मांग की। जिला जज प्रदीप कुमार सिंह व डीएम ने 5-5 हजार की मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दी। हड़ताल के दौरान हजारों वादकारी मायूस होकर वापस लौटे।

नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट पहुंचे अधिवक्ता

कानपुर कचहरी में अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। हड़ताल के दौरान बार एसोसिएशन अध्यक्ष इंदीवर बाजपेई व महामंत्री अमित सिंह की अगुवाई में अधिवक्ता नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने मृतक अधिवक्ता के परिजनों को एक करोड़ मुआवजे व सरकारी नौकरी की मांग की। राजेश सिंह की हत्या में शामिल दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध फ़ास्ट ट्रैक न्यायालय में कठोर से कठोर कानूनी कार्यवाही करवाई जाए। इसके अलावा अधिवक्ताओं के ऊपर हो रहे हमलों, हत्याओं एवं झूठे मुकदमे आदि की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए जाएं।

अधिवक्ताओं की सुरक्षा एवं भय मुक्त वातावरण के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उक्त मांगे ना पूरी होने तक कानपुर के समस्त अधिवक्ता हड़ताल पर जाने के लिए विवश होंगे।

कल कानपुर में आयेंगे प्रमुख सचिव नगर विकास

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।उत्तर प्रदेश के नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात शुक्रिया को कानपुर आ रहे हैं । वह नगर निगम की प्रमुख योजनाओं और निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे। वहीं आगमन को लेकर नगर निगम में तैयारी होती रहीं और अन्य इंतजाम में अधिकारी व्यस्त दिखे।

29 मार्च को कक्षा एक से आठ तक की वार्षिक परीक्षा का जारी होगा परिणाम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से आठवीं तक वार्षिक परीक्षा का परिणाम 29 मार्च (शनिवार) को एक साथ जारी होगा। बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में बच्चों की वार्षिक परीक्षा 24 मार्च से शुरू होकर 28 मार्च तक चलेंगी। खास बात यह है कि 29 मार्च को ही बच्चों को रिपोर्ट कार्ड बांटा जाएगा। इस बार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से परिणाम जारी होगा। ऑनलाइन परिणाम प्रेरणा पोर्टल पर दर्ज होगा। विभाग इसकी तैयारी में जुटा है। जिले में 1925 परिषदीय विद्यालय हैं। इसके साथ ही एक कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय है। इन विद्यालयों में 24 मार्च से परीक्षा शुरू हुई है जो 28 मार्च तक चलेगी। परीक्षा समाप्ति के बाद 29 मार्च 2025 को परिणाम जारी होगा। उसी दिन रिजल्ट का वितरण होगा। इस बार रिजल्ट ऑनलाइन जारी होगा। इसके साथ ही ऑफलाइन रिजल्ट भी जारी होगा। ऑनलाइन रिजल्ट प्रेरणा पोर्टल पर दर्ज होगा ताकि भविष्य में छात्र अपने परीक्षा परिणाम को ऑनलाइन देख सकते हैं अगर किसी छात्र का परीक्षा परिणाम गायब भी हो जाता है तो वह प्रेरणा पोर्टल से अपना अंक पत्र डाउनलोड कर सकता है। बीएसए अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि ऑनलाइन रिजल्ट जारी करने का कार्य शुरू हो गया है। परीक्षा समाप्ति के बाद रिजल्ट को प्रेरणा पोर्टल पर दर्ज कर दिया जाएगा। इसके लिए सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश जारी कर दिया है।

काली मठिया कॉरिडोर का कार्य शुरू, नये रूप में दिखेगा मंदिर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शास्त्री नगर स्थित प्राचीन मंदिर काली मठिया को जल्द ही नया स्वरूप मिलेगा। यहां भव्य मुख्य द्वार बनाने के साथ ही चौराहे पर फाउंटेन लगेगा। मंदिर के सौंदयीकरण के लिये पत्थरों की नक्काशी की जायेगी। श्रद्धालुओं को सुगम पथ देने के लिये भी परमट मंदिर कॉरिडोर की तर्ज पर फुट टाइल्स लगाए जाएंगे।नवरात्र के ठीक पहले बुधवार को कार्य की शुरुआत कर दी गई। पहले दिन चौराहे पर लगी पुरानी ग्रिल हो हटाने के साथ ही सीवर लाइन को जुड़वाने का कार्य शुरू हो गया। क्षेत्रीय पार्षद अरविंद यादव के साथ अधिकारियों और कार्यदायी संस्था ने काम को शुरू कर दिया। 3 महीने में मंदिर का सौंदर्यीकरण हो जायेगा।

नगर निगम मंदिर को कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित करने के लिये 60 लाख रुपये खर्च कर रहा है। जुलाई 2024 में वार्ड 69, सरोजनी नगर के पार्षद अरविंद यादव और महापौर प्रमिला पांडेय के पुत्र अमित पांडेय ने मंदिर के सुंदरीकरण के लिये पूजन किया था। इसके बाद यहां सीवर लाइन का कार्य शुरू होने की वजह से 8 महीने कार्य शुरू नहीं हो सका।अब बुधवार को सौंदर्यीकरण कार्य को शुरू कर दिया गया। यहां मंदिर में लाइटिंग लगाने का कार्य, फुटपाथ और चौराहे के सुंदरीकरण के साथ प्रसाद बेचने वाले दुकानदारों को भी व्यवस्थित किया जाएगा। पार्षद ने बताया कि नगर निगम के ठेकेदार मेसर्स संजय, ज्योति इंटरप्राइजेज कार्य कर रहे हैं।काली मठिया मंदिर करीब 150 साल पुराना है। मंदिर के पुजारियों के अनुसार इस स्थान पर एक टीला हुआ करता था। टीले की खोदाई में निकली मां काली की मूर्ति को यहां स्थापित किया गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

आयुष्मान योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर गौरी हॉस्पिटल के डा0 संजय त्रिपाठी सम्मानित

» कानपुर देहात पहुंचे बीजेपी एमएलसी अनूप गुप्ता ने समारोह में किया सम्मानित

» नवीपुर कानपुर देहात स्थित गौरी हॉस्पिटल ने अबतक 26 सौ मरीजों का सफल इलाज किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। केंद्र सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को 5 लाख रूपए तक निःशुल्क इलाज की सुविधा निजी एवं सरकारी अस्पतालों में दी जा रही है। कानपुर देहात में जिले में नवीपुर हाइवे स्थित श्री गौरी मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल ने आयुष्मान योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इसपर बीते दिनों डीएम और सीडीओ भी हॉस्पिटल को सम्मानित कर चुके हैं।

योगी आदित्यनाथ सरकार के यूपी में 8 साल पूरे होने पर समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कडी में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे बीजेपी के प्रदेश महामंत्री और एमएलसी अनूप गुप्ता ने श्री गौरी मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल प्रबंधन की तारीफ की। यहां पर 26 सौ से अधिक सफलतम आपरेशन किए गए हैं। इसमें मरीजों को लाभ मिला है। इस दौरान हॉस्पिटल के सीएमडी डा. संजय त्रिपाठी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डा. संजय त्रिपाठी ने कहा कि आने वाले हर मरीज को बेहतर उपचार देने का प्रयास रहता है, हॉस्पिटल में सभी इलाज की सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद रहे हैं, इससे मरीजों को राहत मिल रही है। इस दौरान बीजेपी जिलाध्यक्ष रेणुका सचान, पूर्व अध्यक्ष मनोज शुक्ला सहित अन्य कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

एमएलसी अनूप गुप्ता का हुआ स्वागत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रभारी अनूप गुप्ता का कानपुर देहात आगमन होने पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अभिषेक गुप्ता फ्नीकु फ्के द्वारा नबीपुर में स्थित होटल कृष्ण ग्रीन्स में का स्वागत हुआ । बाढ़ापुर निवासी मोनू अवस्थी कृषि कार्य हेतु हार्वेस्टर का अनुदान पत्र दिया गया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष रामजी मिश्रा, नीकू गुप्ता ,अनूप सिंह जादौन, आशीष गुप्ता ,मन्नी गुप्ता, शरद गुप्ता, गोपाल सैनी, अमन गुप्ता आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

BH बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333

हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

राजावत हॉस्पिटल में फिर लगे गंभीर आरोप, स्वास्थ विभाग खामियों पर पर्दा

» पूर्व से रहा है विवादों के घेरे में अस्पताल प्रबंधन

» शिकायतों पर नहीं होती कोई कार्रवाई

युवक की इलाज के दौरान मौत, परिजनों को बिना बताए भेज दिया पोस्टमार्टम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के फत्तेपुर रोशनाई गांव के मजरा आर्य नगर द्वितीय निवासी सरमन कुमार उम्र करीब पैंतीस वर्ष पुत्र भगवान दीन आटों का चालक था। दिनांक 26 मार्च बुधवार को को सवारी लेकर रानियां की ओर जा रहा था। तभी सरमन के सीने में अचानक दर्द उठा और वह प्राइवेट अस्पताल में पहुंचा और कुछ देर में ही उसकी मौत हो गई। परिवारजनों ने अस्पताल पर लापरवाही से इलाज के आरोप लगाए। वही सूचना पर पहुंची रनियां पुलिस ने शव को पीएम के लिए भिजवाया। दोपहर बाद परिजन विसायकपुर स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे और शव गेट पर रखकर हंगामा शुरू कर दिया गलत तरीके से इलाज से मौत का आरोप लगा हंगामा किया। हंगामा बढ़ता देख सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

सूचना पर सीओ सदर प्रिया सिंह सहित इंस्पेक्टर अकबरपुर सतीश कुमार सिंह, इंस्पेक्टर गजनेर प्रवीन कुमार यादव तथा इंस्पेक्टर रनियां मुकेश कुमार सोलंकी भारी पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंचे।

साथ ही एसीएमओ डा एस एल वर्मा भी मौके पर पहुंचे। परिजनों को बहुत समझाने के पश्चात और पीएम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मृत्यु आने के बाद परिवार अंतिम संस्कार के लिए माना और पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने मृतक सरमन की पत्नी पूजा को पचास हजार की राहत देकर और पांच लाख रु मुआवजा और आवास का वादा किया है। जिससे परिवारीजन मान गए और मामला खत्म हुआ।

आनन फानन में मिल गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट

सवाल यह उठता है कि जहां पीएम रिपोर्ट में 24 घंटे लगते हैं।लेकिन इस मामले में इतनी तेजी से रिपोर्ट बनकर आ गई। इससे भी सवाल उठते हैं और आनन,फानन में पीएम कैसे हुआ। आखिर प्राइवेट अस्पताल को इतना कौन दे रहा संरक्षण।

लगातार हो रही मौतें, लाशों का सौदा करवा रहा सीएमओ कार्यालय

कानपुर देहात जिले में मानक विहीन अस्पताल कोने-कोने में खुल गए हैं इनको संरक्षण स्वास्थ्य विभाग लगातार दे रहा है। बीते एक सप्ताह में कई घटनाएं निजी अस्पतालों में सामने आई लेकिन स्वास्थ्य विभाग कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति करने में लगा रहा।

सूत्रों के अनुसार दो दिन पहले रूरा स्थित साईनाथ हॉस्पिटल में उपचार के दौरान एक युवक की मौत का मामला सामने आया था इसमें परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर और रोड जामकर जमकर हंगामा किया था बाद में कुछ रुपो का लेनदेन होकर मामला सुलट गया। इसी तरह पुखरायां के हाइवे स्थित अनिकल्प हॉस्पिटल में एक प्रसूता की मौत हो गई थी इसमें भी लापरवाही के आरोप लगाए थे लेकिन हुआ कुछ नहीं। इसी तरह से अकबरपुर के कई अस्पतालों में कई बार घोर लापरवाही के आरोप लगे लेकिन स्वास्थ्य विभाग आंखें बंद करके वसूली में जुटा रहा।

अयोध्या में बढ़ रहा प्रदूषण: खतरे के निशान पर एयर क्वालिटी

» प्रदूषण नियंत्रण विभाग में वसूली तंत्र सक्रिय, नहीं होती की कार्रवाई

» गैर-इंडस्ट्रियल इलाकों में धड़ल्ले से चल रहीं अवैध फैक्ट्रियां

» कृषि भूमि और स्कूलों पर पड़ रहा जहरीला असर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या में प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक होता जा रहा है। एयर क्वालिटी इंडेक्स खतरे के निशान से ऊपर पहुंच चुका है, लेकिन उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कोई ठोस कार्रवाई करने में विफल साबित हो रहा है। आवासीय और ग्रामीण इलाकों में बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियों का संचालन खुलेआम जारी है, जिससे कृषि योग्य भूमि, स्कूलों और रिहायशी इलाकों में जहरीला धुआं फैल रहा है।

बड़े बॉयलर उगल रहे जहर, विभाग बना मूकदर्शक

अयोध्या के गैर-इंडस्ट्रियल इलाकों में धड़ल्ले से चल रही फैक्ट्रियों में बड़े-बड़े बॉयलर जलाए जा रहे हैं, जो आसमान में जहर घोलने का काम कर रहे हैं। नियमों को ताक पर रखकर ये अवैध इकाइयां प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) हासिल कर लेती हैं, और हर साल इन्हें आसानी से नवीनीकरण भी मिल जाता है। सूत्रों के मुताबिक, पैसे के दम पर विभाग इन फैक्ट्रियों को खुली छूट दे रहा है। यहां तक कि इनसे हर महीने अवैध वसूली भी की जाती है। यही कारण है कि प्रदूषण के नाम पर यह विभाग सिर्फ खानापूर्ति कर रहा है और किसी भी ठोस कार्रवाई से बचता रहा है।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग में वसूली तंत्र सक्रिय!

सूत्रों के अनुसार, बाराबंकी के रहने वाले एक लैब असिस्टेंट को इस विभाग में अवैध वसूली की जिम्मेदारी दी गई है। यह व्यक्ति मेडिकल कचरा सर्टिफिकेट से लेकर अन्य खतरनाक अपशिष्ट प्रमाणपत्रों तक की अनुमति दिलाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

मेडिकल स्टोर, पैथोलॉजी, नर्सिंग होम, छोटे-बड़े उद्योग, ईंट भट्ठों जैसी सभी इकाइयों को इस विभाग से अनुमति लेनी पड़ती है, और हर इकाई के लिए अलग-अलग कर्मचारी और बाबू तैनात किए गए हैं, जो सीधे डील करते हैं।

अध्यक्ष से शिकायत, फिर भी कार्रवाई नहीं!

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष रवींद्र प्रताप सिंह से विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

दो मंडलों की जिम्मेदारी, लेकिन नतीजा शून्य

अयोध्या और बस्ती मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी प्रखर कुमार के पास प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी है। उन्हें इंडस्ट्रीज समेत तमाम प्रदूषणकारी इकाइयों को नियंत्रित करने का कार्य सौंपा गया है, लेकिन उनके कार्यकाल में

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मजाक बनकर रह गया है।

प्रदूषण पर लगाम कब?

अयोध्या में लगातार बिगड़ती हवा की गुणवत्ता और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निष्क्रियता न केवल पर्यावरण बल्कि स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन गई है। सवाल यह है कि क्या सरकार और प्रशासन इस ओर ध्यान देंगे या फिर अयोध्या को धीरे-धीरे जहरीली गैसों की चपेट में धकेल दिया जाएगा?

काम को मिला सम्मान, प्रशस्ति पत्र से नवाजी गई एएसपी वन्दना सिंह

» प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर की ओर से उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

महोबा। काम को सलाम करने से पुलिसकर्मियों का हौसला बुलंद होता है और वे फिर से पूरे मनोवेग के दूसरे टारगेट को हासिल करने में जुट जाते है।बुधवार को पुलिस लाइन में ऐसा ही नजारा देखने को मिला।प्रयागराज की पवित्र धरती में आयोजित हुए भव्य और डिजिटल महाकुम्भ-2025 के सफलतापूर्वक समापन एवं ड्यूटी के दौरान कर्तव्यपरायणता

से जनता को बेहतर सेवाएं देने वाली,न्यायप्रिय अपर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वन्दना सिंह को प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर की ओर से उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित करने के लिए भेजे गए प्रशास्ति पत्र को बुधवार को जिलाधिकारी मृदुल चौधरी व पुलिस अधीक्षक पारस बंसल ने भेंटकर उन्हें सम्मानित किया और उनका हौसला अफजाई किया।जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के हाथों सम्मानित होने पर अधिकारियों व पुलिसकर्मियों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया,

क्योंकि इन अधिकारियों तथा पुलिसकर्मियों ने महाकुम्भ मेले में ड्यूटी के दौरान करोड़ों की भीड़ को नियंत्रण करने और सकुशल सम्पन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।इस दौरान पुलिस लाइन्स में बड़ा खाना का भी आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक कर्मियों ने एक साथ बैठ कर खाना खाया और पुलिसकर्मियों से संवाद कर उनका कुशलक्षेम पूछकर बेहतर सेवाओं के लिये उत्साहवर्धन किया गया.।

मुख्यमंत्री योगी ने 283 चिकित्सा अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

बोले सीएम- आठ साल में दी गईं 8.5 लाख नौकरियां

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

राजधानी लखनऊ में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयुष विभाग के 283 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनका चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा किया गया है। लोक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ वर्ष में साढ़े आठ लाख नौकरी दी गई हैं। ये पूरी तरह से सूचितापूर्ण हैं, अन्यथा मामला कोर्ट में हुआ। 163 चिकित्सकों, तीन प्रोफेसर, 96 लैब टेक्नीशियन को पत्र दिया जा रहा है। इसके लिए आयोग को भी बधाई। जिन्हें नियुक्ति पत्र मिल रहा है, उन्हें बधाई।

सपनों को मिली उड़ान

उन्होंने कहा कि किसी भी युवा के लिए शासकीय नौकरी मिलना उसके सपने को उड़ान देने जैसा है। अभिभावकों, मित्रों ने जो सपना देखा वह पूरा हो रहा है। आठ वर्ष पहले यही आयोग भर्ती बोर्ड की क्या स्थिति थी किसी से छिपा नहीं है। अनेक याचिका लंबित थीं। हाईकोर्ट ने भी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाया था।

आयुष अब नया मंत्रालय

सीएम योगी ने आगे कहा कि विभागीय टेक्नोलॉजी से कामकाज को गति दिया जा सकता है। हमने महाकुंभ में यही किया। आयुष का अब नया मंत्रालय बन चुका है। हम योग को आगे बढ़ा रहे हैं। दुनिया के मन में योग को लेकर श्रद्धा भाव आया है। पहले भारत की विरासत को कुछ लोग कोसते थे, लेकिन अब दुनिया योग से जुड़ रही है। 45 दिन के आयोजन में दुनियाभर में प्रयागराज प्राइम न्यूज बनी। यह चीजें दिखाती हैं कि हम अपनी संस्कृति में रुचि दिखाते हैं तो दुनिया आतुर होती है। आयुष के जरिए हम आरोग्यता हासिल कर सकते हैं। इसके लिए सरकार ने कई कार्यक्रम चलाए हैं।

सिखाई जा रही प्रकृति के अनुरूप जीने की कला

इस मौके पर मंत्री दयाशंकर मिश्र ने कहा कि आयोग से चयनित 163 डॉक्टर प्रदेश की सेवा में आज से तत्पर हो रहे हैं। उम्मीद है कि आयुष विभाग प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए प्रदेश के विकास में सहभागी बनेगा। तीन नए आयुष के मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। लोगों को प्रकृति के अनुरूप जीने की कला सिखाई जा रही है। मंत्री ने कहा कि यूपी नवाचार के लिए जाना जाता है। काशी में प्रकृति चिकित्सा का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि नवचयनित से अपील है कि उन्हें जिस सुचिता से नियुक्ति मिली है, उनका आगे के जीवन में पालन करें। अब सभी की मंजिल सिर्फ सेवा होनी चाहिए।

सिल्वर अपार्टमेंट में आग, सात टू व्हीलर और चार कारें जली

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

राजधानी के हजरतगंज कोतवाली अंतर्गत लालबाग के सिल्वर ऑफ अपार्टमेंट की पार्किंग में गुरुवार सुबह करीब पांच बजे आग लग गई। चंद मिनट में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे अपार्टमेंट में धुआं भर गया। आग में जद में आने से सात दोपहिया और चार कारें जलकर नष्ट हो गईं। वहीं, अपार्टमेंट के चौथे फ्लोर पर फ्लैट नंबर 403 में धुएं के बीच बुजुर्ग महिला समेत छह लोग फंस गए। जिन्हें पुलिस की मदद से दमकलकर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, घंटे भर की कशमकश के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

हजरतगंज एफएसओ रामकुमार रावत के मुताबिक, लालबाग के 10 जीसी बॉस मार्ग पर पांच मंजिला सिल्वर ऑफ अपार्टमेंट है। गुरुवार सुबह करीब 5:16 बजे कंट्रोल रूम में अपार्टमेंट की पार्किंग में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद हजरतगंज फायर स्टेशन से दो दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर रवाना की गई। बताया कि अपार्टमेंट की पार्किंग में कई वाहन धू-धूकर जल रहे थे, आग की लपट देख वहां अफरा तफरी मच गई। कुछ ही क्षण में पूरे अपार्टमेंट में धुआं भर गया। जिससे अपार्टमेंट में रहने वाले लोग घबरा कर शोर मचाने लगे। जिसके बाद दमकलकर्मियों ने फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाने का काम शुरू कर दिया। तभी जानकारी मिलती कि आपर्टमेंट के चौथे फ्लोर में फ्लैट नंबर 403 में कुछ लोग फंसे हुए है।

उसके बाद दमकमकर्मियों ने ब्रीदिंग ऑपरेटस की मदद से जीने के सहारे चौथे फ्लोर के फ्लैट नंबर 403 में पहुंचे, जहां पर धुएं से परेशान लोगों ने खिड़की और दरवाजे बंद कर दिए थे। एफएसओ ने बताया कि दमकमकर्मियों ने दरवाजा खुलवाते हुए फ्लैट में रहने वाली आलिया बेगम (82), अफसीन बानो (32), रफत (30), अब्बास (9) अदनान (5) मुस्तफा (13) को धुएं से बचाते हुए जीने के सहारे सकुशल बाहर निकाला गया। इस अग्निकांड में 11 वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। इनमें 07 टू व्हीलर और 04 कारें है। जबकि 10 वाहनों को बचा लिया गया कोई जनहानि नहीं हुई। प्रथम दृष्टया में पार्किंग में खड़ी स्कूटी में स्पार्किंग से आग लगी है।

निर्वाण संस्था के चार बच्चों की मौत, 24 बच्चे अलग-अलग अस्पताल में भर्ती

लापरवाही: अफसरों ने बीमार बच्चों की सेहत का हाल लिया

संस्था के अधिकारी बच्चों को इलाज मुहैया कराने के बजाए बीमारी छिपाने में जुटे रहे।

दूषित भोजन ही किशोर-किशोरियों की मौत की बड़ी वजह हो सकता है।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

राजधानी लखनऊ में बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां निर्वाण संस्था में बच्चों की तबीयत खराब होने से गुरुवार को एक और बच्चे की मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती सूरज की इलाज के दौरान मौत हो गई। अब तक कुल चार बच्चों की जान जा चुकी है। सुबह मंडलायुक्त रौशन जैकब और डीएम विशाख जी ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचकर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार यहां निर्वाण रिहेबिलिटेशन सेंटर में मानसिक मंदित बच्चों की सेहत से खिलवाड़ में चार बच्चों की मौत हो गई है। अलग अलग अस्पतालों में 20 बच्चों को भर्ती कराया गया है। संस्था के अधिकारी बच्चों को समुचित इलाज मुहैया कराने के बजाए बीमारी छिपाने में जुटे रहे। संस्था के अफसर दो बच्चों की मौत का दावा कर रहे हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की जांच में चार बच्चों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मौत और बीमारी के आंकड़ों को छिपाने के लिए अलग-अलग अस्पतालों में बच्चों को भर्ती कराया गया। चार मौतों के बाद शासन प्रशासन में हड़कंप मच गया। मंडलायुक्त व जिलाधिकारी समेत अन्य अफसरों ने लोकबंधु अस्पताल में भर्ती बच्चों की सेहत का हाल लिया।

अस्पताल प्रशासन को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। घटना की जांच शुरू हो गई है। बताया जाता है कि 22 मार्च को ठाकुरगंज अस्पताल में शिवांक (15) की मौत हो गई। 25 मार्च को लोकबंधु अस्पताल में दीपा (16), बलरामपुर अस्पताल में सूरज (12) की मौत हो गई। 26 फरवरी की सुबह रेनू (13) की लोकबंधु अस्पताल में मौत हुई है।

बुद्धेश्वर के निकट निर्वाण संस्था में अनाथ मानसिक रूप से बीमार बच्चे रखे जाते हैं। यहां करीब 147 बच्चे हैं। बीते करीब एक सप्ताह से संस्था में बीमारी फैली है। बच्चे उल्टी-दस्त, पेट दर्द से बीमार हैं। शुरूआत में संस्था के अधिकारियों ने बीमारी को गंभीरता से नहीं लिया। उल्टी-दस्त और पेट दर्द से जब बच्चे बेहाल हो गए तो संस्था ने घटना पर पर्दा डालने के लिए अलग-अलग अस्पतालों में बच्चों को भेजना शुरू किया। समय पर इलाज न मिलने से चार बच्चों की सांसें थम गईं। गंदा पानी व दूषित भोजन किशोर-किशोरियों की मौत की बड़ी वजह हो सकता है।

गुरुवार को मंडलायुक्त रौशन जैकब, डीएम विशाखा जी, प्रमुख सचिव बाल विकास पुष्टाहार लीना जौहरी और एसीपी कृष्णा नगर बच्चों के देखने सुबह नौ बजे पहुंचे। तीस नंबर वार्ड में भर्ती 16 बच्चों की सेहत का हाल लिया। अस्पताल प्रशासन को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। बलरामपुर अस्पताल व केजीएमयू में रेफर दो बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है।

सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि चार बच्चों की मौत हुई है। संस्था ने घटना को शुरूआत में छिपाया। मौजूदा समय में सात बच्चों का इलाज संस्था में चल रहा है। 16 किशोर-किशोरी लोकबंधु अस्पताल में भर्ती हैं। तीन बच्चों का बलरामपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। जिसमें गोपाला आईसीयू में भर्ती है। जबकि महिमा व संगीता की तबीयत स्थिर है। एक बच्चा केजीएमयू में भर्ती है। डॉक्टरों की टीम लक्षणों के आधार पर जांच करा रही है।